International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

# महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता पर व्यक्तित्व के बहिर्मुखता अन्तर्मुखता चर का प्रभाव

**अशोक कुमार[1], डॉ0 निरू वर्मा[2]**

[1]शोधार्थी

[2]शोध निर्देशक, एसोसिएट प्रोफेसर शिक्षा संकाय, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर

मानव सभ्यता के विकास के साथ ही मनुष्य की विकसित उर्ध्वमुखी चेतना ने अपनी प्रवृति को समाजोन्मुख बनाया। स्त्री और पुरूष दोनों अपने आप को समाजिक संरचना की मूल भूत इकाई माना। प्राकृतिक दृष्टी से कठोर एवं कर्मठ होने के कारण पुरूष अर्थोपार्जन की ओर प्रवृत हुआ और अपनी स्वाभाविक कोमलता एवं मृदुलता इत्यादि गुणो द्वारा महिलाओं ने परिवार को एक सुत्रता में बॉधने का प्रयास किया।

नर–नारी के आपसी सहयोग एवं समन्वय के द्वारा समाजिक एवं पारिवारिक जीवन निश्चित दिशा की ओर अग्रसर होने लगा। किन्तु परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है। अतः सभ्यता के विकास के साथ–साथ पुरूषों की मनोवृति में भी बदलाव अस्वाभाविक नहीं था। अपनी कठोरता एवं शक्ति के बल पर पुरूषो ने सामाजिक शक्ति को अपनें तक केन्द्रित कर लिया। परिवार का नायक होने के कारण पुरूषों ने नारी को अपने से हीन समझने लगा। अपनी स्वाभावगत कोमलता के कारण नारियों ने पुरूषों की निरंकुश प्रवृति का विरोध नहीं किया। मूलतः धीरे–धीरे नारियों की यह सहिष्णुता उसकी कमजोरी बनती चली गई और जब एक बार पुरूषों की निरंकुशता के सामने नारी ने अपने आप को समर्पित कर दिया तो विरोध करने की क्षमता ही अवशिष्ट कहॉ रही। वस्तुतः सामाजिक जीवन के निर्माण की अव धारणा में ही नारी पुरूषों के भेद भावपूर्ण नीति की प्रधानता रही।

बिहार प्रांत के मुजफ्फरपुर जिलाअंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं के बीच उच्च शिक्षा में जागरूकता पैदा करने में बहुत सारे महिला एवं पुरूषों ने अपनी भूमिका साकारात्मक रूप में नियमीत परिणामस्वरूप बहुत सारे शैक्षणिक संस्थान का खुलना एवं उसमें अध्ययन की व्यवस्था सुनिशचित करना उनका ध्येय रहा है। इस करी में बहुत संस्थाओं ने मुख्य रूप से

महंथ दर्शन दास महिला महाविद्यालय जिसकी स्थापना 15 अगस्त 1946 को हुई थी। यह संस्था कई युवा एवं प्रगतिशील और गतिशील महिलाओं के लिए मातृ संस्था रही है। इस करी में रामवृक्ष बेनीपुरी महिला महाविद्यालय और महिला शिल्पकला भवन महाविद्यालय भी उच्च शिक्षा का एक केन्द्र बना हुआ है। ये दोनों महाविद्यालय भी महिला उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने में कही से पिछे नहीं हैं। महंथ दर्शन दास महिला महाविद्यालय के मनोविज्ञान विषय में संक्षिप्त व्यवसायिक पाठयक्रम में क्लीनिकल साइकोलॉजी में डिप्लोमा के पढ़ाई के साथ ही गृहविज्ञान में फैशन डिजाईनिंग की पढ़ाई की भी समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। रामवृक्ष बेनीपुरी महिला महाविद्यालय में ब्छक सहित कई नये व्यवसायिक विषयों के पढ़ाई की भी व्यवस्था की गई कहै। महिलाओं में उच्च शिक्षा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व में निखार लाने में ये संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाओं के व्यक्तित्व विकस पर उच्च शिक्षा का किस रूप में प्रभाव पड़ रहा है इसे देखने का प्रयास किया गया है।

आधुनिक मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षा शास्त्रियों के बीच एक नई विचार धारा विकसित हो रही है। जिसके अनुसार जीवन के सभी व्यवहार एवं दृष्टीकोण किसी न किसी समय में व्यक्ति के व्यक्तित्व से प्रभावित होते हैं। आइजिंक 1947 में महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता विचार भी इस दृष्टीकोण का अपवाद नहीं है। उक्त व्याख्या से यह स्पष्ट हो चुका है कि महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण उनके अनेकानेक व्यक्तिगत एवं बाह्य तत्वों से प्रभावित होता है। इस संबंध में यह दृष्टीकोण भी इसी तरह का बाह्य एवं आन्तरिक चरों से प्रभावित एवं निर्धारित होते हैं।

प्रस्तावित अध्ययन के संदर्भ में यह प्राकल्पना स्थापित की जाती है कि बहिर्मुखी महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति अन्तर्मुखी महिलाओं की अपेक्षा अधिक अनूकुल जागरूकता पायी जायेगी।

## □ विधिः–

जनसंख्या में बहिर्मुखता अंतर्मुखता चर के वितरण की प्रवृति का विश्लेषण करने के लिए आइजिंक 1959 द्वारा लिखित तथा मनोवैज्ञानिक शोध एवं सेवा संस्थान पटना विश्वविद्यालय के तत्वाधान में हिन्दी में अनुचित आईजिंक व्यक्तित्व अनुदित्त आईजिंक व्यक्तित्व अनुवेशिका का उपयोग किया गया। ये अध्ययन सर्वेक्षण विधी के द्वारा किया गया।

## □ क्षेत्रः–

बिहार प्रांत के मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत बी0आर0ए0बि0 अम्बेदकर, बिहार विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागो में महंथ दर्शनदास महिला महाविद्यालय, रामवृक्ष बेनीपुर महिला महाविद्यालय एवं महिला शिल्पकला भवन महाविद्यालय का सम्मिलित किया गया।

## □ प्रतिदर्शः–

स्नातकोत्तर स्तर की 300 छात्राओं को अध्ययन क्षेत्र में सम्मिलित किया गया।

## □ परिणामः–

बहिर्मुखता अंतर्मुखता को मापने के लिए 300 स्नातकोत्तर छात्राओं के प्रतिदर्श पर आईजिंक 1959 द्वारा निर्मित एवं मनोवैज्ञानिक शोध संस्थान पटना विश्वविद्यालय के तत्वाधान में हिन्दी में निर्मित आईजिंक व्यक्तित्व अनुवेसका का प्रयोग किया गया। इस मापी के आधार पर अधिकत्तम प्राप्तांक 24 तथा निम्नतम प्राप्तांक शून्य की संभावना है। 300 स्नातकोत्तर छात्राओं के प्रतिदर्श पर लिए गए प्रातांक के प्रसार तथा वितरण सारणी संख्या एक में वर्णित है।

**सारणी संख्या–01**

| **आवृति** | |
|---|---|
| 19–20 | 2 |
| 17–18 | 3 |
| 15–16 | 15 |
| 13–14 | 34 |
| 11–12 | 54 |
| 9–10 | 91 |
| 7–8 | 64 |
| 5–6 | 31 |
| 3–4 | 6 |
| कुलः– | **300** |

**टैबल –1**

| संख्या | मध्यमान | मध्यांक | बहुलक | प्रमाणिक विचलन | मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि |
|---|---|---|---|---|---|
| 300 | 10.10 | 9.58 | 9.42 | 3.07 | .117 |

केन्द्रिय प्रकृति के इन तीनों मापों में इतनी निकटता है कि इसके प्रसार से जनसंख्या में सामान्य वितरण की प्रकृति प्रमाणित होती है। प्रसार के माध्यमान की प्रमाणिक त्रुटी 117 है जिससे 99प्रतिशत विश्वास के साथ गिलफोर्ड 1956 यह अनुमान किया जा सकता है कि वर्तमान प्रतिदर्श मध्यामान वास्तविक जनसंख्या मध्ययमान से अधिक से अधिक 2ण्58 ग ण्117त्रण्301 के प्रसार के सीमा में ही है।

बहिर्मुखता एवं अंतर्मुखता महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता के संबंध में यह प्राकल्पना की गई थी कि बहिर्मुखी महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति अधिक जागरूकता पायी जाएगी। 300 स्नातकोत्तर छात्राओं के प्रतिदर्श पर बहिर्मुखता अंतर्मुखता प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। प्रतिदर्श से प्राप्त प्राप्तांको के आधार पर तृतीय चतुर्थाश से उपर और प्रथम चतुर्थांस से निचे आधार पर बहिर्मुखी एवं अंतर्मुखी समूह माना गया। इन दोनों ही समूहों के आधार पर सांखिकीय गणना से प्राप्त संख्या 66 तथा 74 निर्धारित हुई। इस प्रतिदर्श के प्रथम चतुर्थांस 7.69 तथा तृतीय चतुर्थांस 11.72 है। इन दोनों ही समूहों के महिला शिक्षा के प्रति जागरूकता प्राप्ताकों का वितरण मध्यमान प्रमाणित विचलन एवं ज अनुपात के तुलनात्मक अध्ययन सारणी संख्या 2 में वर्णित है।

**सारणी संख्या–2**

बहिर्मुखी अंतर्मुखी समूहों के महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता प्राप्तांको का तुलनात्मक विवेचनः–

बहिर्मुखी अंतर्मुखी समूहों के महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता प्राप्तांक का सह संबंध गुणांकः–

| समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाणिक विचलन | मध्मान की प्रमाणिक त्रुटी | मध्यमानों का अंतर | मध्यमान के अन्तर का प्रमाणिक त्रुटी | ज अनुपात | सार्थकता स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बहिर्मुखी | 66 | 195.95 | 21.20 | 2.61 | | | | |
| | | | | | 11.84 | 3.32 | 3.57 | .01 |
| अंतर्मुखी | 74 | 184.14 | 17.67 | 2.05 | | | | |

## सारणी संख्यासः–3

| | सह संबंध गुणांक | सार्थकता स्तर |
|---|---|---|
| बहिर्मुखी–अन्तर्मुखी | .40 | .01 |

## □ विश्लेषण एवं निष्कर्षः–

उपर वर्णित सारणी में दोनों ही समूहों के महिलाओं में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता से संबंधित सांख्यिकीय प्राप्तांको के तुलनात्मक विवेचन से स्पष्ट हो जाता है कि बहिर्मुखी समूह की महिलाओं ने प्राप्तांको का मध्यमान 195.95 तथा अंतर्मुखी समूहों में मध्यमान 184.14 पाया गया है। दोनों ही समूहों का ज अनुपात 3.57 जो 135 क्ष के लिए .01 स्तर पर सार्थक प्रमाणित हो रहा है।

अतः यह निष्कर्ष से वर्णित प्राकल्पना सत्यापित हो रही है। प्राप्त प्रदत्त के आधार पर प्रोडक्ट मोमेन्ट सह संबंध विधि के द्वारा दोनों चरों के बीच .40 सह संबंध गुणांक प्राप्त हुआ है जो 298 क्ष के लिए .01 स्तर पर सार्थक प्रमाणित हो रहा है।

## References

Eysenck, R.J. 1947 - Domensions of Personality Londan Routledge Koganpaul limited.
Eysenck,H.J. 1959 - The Manual of the Maudlley personality Inventory. Landon University of LandonPress.
Garrette, H.E. 1955 - Satisfaction in psychology and education long man. Green and Co, New York.
Guilford,J.P.. 1956 - Fandamental Statistics in phychology and education, New York.
L.Festinger - OP.CIT.1953 P37
Fred N Kerlinger - OP.CIT.(1964) P393
D.Katz - OP.CIT.1953 P37

Best JW - Resarch in education (Prentice Hall) 1963 P102

Morse HN - Tap Social Survey in Tower and Country Areas (1924) P104

Harrison S.M. - A bidiliography of Social Surveys 1939 P204

Kerlinger FN - Foundation of Behavioural Research (Holt) 1964 P313